वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 168 | शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता हो रही सशक्त

नवीन को-ऑपरेटिव कोड से कामकाज में आएगी गति, पारदर्शिता होगी सुनिश्चित

सहकारी सोसायटियों में अनियमितताओं पर नियंत्रण होगा स्थापित

आमजन का सहकारी समितियों पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारी सोसायटियों में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, अनियमितताओं पर नियंत्रण एवं समितियों की व्यवसाय वृद्धि के लिए कृतसंकल्पित है। इसी क्रम में राज्य सरकार सोसायटियों तथा आमजन के हित में सहकारी कानून को अधिक प्रासंगिक बनाते हुए नवीन सहकारी अधिनियम लाने जा रही है। प्रस्तावित नवीन सहकारी अधिनियम में ऐसे कई महत्वपूर्ण प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं, जिनसे आमजन का सहकारी समितियों पर विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित नवीन सहकारी अधिनियम वर्तमान में लागू राजस्थान सहकारिता अधिनियम, 2001 का स्थान लेगा। इसे वर्तमान परिप्रेक्ष्य के अनुरूप अधिक प्रासंगिक बनाया गया है। राज्य सरकार ने इस संबंध में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जिसने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, केरल आदि सहकारी आन्दोलन के अग्रणी राज्यों के सहकारी कानूनों का व्यावहारिक अध्ययन कर तथा वरिष्ठ अधिकारियों व विशेषज्ञों से चर्चा कर नवीन को-ऑपरेटिव कोड का ड्राफ्ट तैयार किया था। इसमें प्रक्रियाओं के सरलीकरण, अनियमितताओं पर नियंत्रण और त्वरित निस्तारण के साथ ही समितियों की व्यवसायिकता, आपसी सहयोग को सुगम बनाने, समितियों के प्रबंधन में एकाधिपत्य हटाने, लोकतांत्रिक एवं सदस्योन्मुखी प्रबंधन आदि पर विशेष रूप से फोकस किया गया है। नवीन अधिनियम में सहकारी समितियों की आमसभा के आयोजन को सुगम बनाने के लिए सदस्यों को व्हाट्सएप एवं ई-मेल से भी सूचित किए जाने तथा आमसभा आयोजित न करने के लिए जिम्मेदार व्यक्ति पर 5 हजार रुपये के अर्थदण्ड का प्रावधान प्रस्तावित है। यदि संचालक मंडल सदस्य बिना अनुमति के संचालक मंडल की तीन बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहता है तो उसे निर्योग्य किए जाने का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है। जिन सोसायटियों को राज्य सरकार द्वारा सहायता प्राप्त नहीं है, उन्हें रजिस्ट्रार द्वारा जारी सामान्य शर्तों और अधिनियम के प्रावधानों के अधीन रहते हुए वित्तीय व आन्तरिक प्रशासनिक मामलों में स्वायत्तता का प्रावधान भी नवीन अधिनियम में किया गया है। क्रेडिट सोसायटियों में जमाकर्ताओं के हितों को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सदस्य बनाकर ही जमा किए जाने तथा उनके कार्यकलापों के विनियमन के लिए विनियामक बोर्ड के गठन का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। हाउसिंग सोसायटी के सदस्यों को प्रवंचना से बचाने के लिए सरकार द्वारा नियम बनाये जा सकेंगे। नवीन अधिनियम में सहकारी शब्द के दुरूपयोग पर 50 हजार रुपये के अर्थदण्ड का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। साथ ही, नोटिस एवं आदेश की व्हाट्सएप एवं ई-मेल आदि के माध्यम से तामीली तथा सोसायटी अथवा सदस्यों के हित में रजिस्ट्रार को निर्देश देने की शक्तियों का प्रावधान भी नवीन अधिनियम में किया गया है।

नवीन प्रावधानों के बारे में आमजन को किया जा रहा जागरूक

प्रदेश में 2 से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सहकार सदस्यता अभियान के अंतर्गत जनसाधारण को प्रस्तावित नवीन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान कर उन्हें इसके प्रति जागरूक किया जा रहा है। अब तक 3 लाख 75 हजार से अधिक लोगों को प्रस्तावित अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी प्रदान की जा चुकी है। नवीन अधिनियम में सहकारी समितियों को स्वयं के तथा सदस्यों के उत्पाद अपने कार्यक्षेत्र से बाहर भी विक्रय किए जाने की छूट दिये जाने तथा सोसायटियों में बाजार से प्रतिस्पर्धा एवं व्यवसाय में वृद्धि के लिए आपसी सहमत शर्तों पर साझेदारी करने के प्रावधान प्रस्तावित किए गए हैं। इसी प्रकार, सहकारिता क्षेत्र के विस्तार और नई सोसायटियों के गठन को गति दिए जाने के लिए सोसायटियों में राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा शेयर पूंजी धारण किए जाने की अधिकतम सीमा समाप्त करने का प्रावधान तथा लोकहित में नई सोसायटियों के गठन के लिए सदस्यों में तदर्थ समिति गठित किए जाने में अवरोध होने पर रजिस्ट्रार द्वारा 3 माह के लिए तदर्थ समिति गठित किए जाने और उसके बाद उपनियम के अनुसार चुनाव करवाये जाने का प्रावधान भी प्रस्तावित है।

वेब पोर्टल के माध्यम से मिलेगी सोसायटी की वित्तीय स्थिति की जानकारी

सोसायटियों में समयबद्ध रूप से ऑडिट हो इसके लिए भी महत्वपूर्ण प्रावधान नवीन अधिनियम में किये गए हैं। इसमें सोसायटी के स्तर से ऑडिटर नियुक्ति का प्रस्ताव उसी वित्तीय वर्ष में विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है, अन्यथा रजिस्ट्रार द्वारा ऑडिटर की नियुक्ति की जा सकेगी। सोसायटी की वित्तीय स्थिति के संबंध में आमजन को जानकारी हो, इसके लिए सोसायटी द्वारा ऑडिट की रिपोर्ट जारी होने के बाद 15 दिवस के अंदर विभागीय पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक होगा। गबन एवं अनियमितताओं के मामलों में त्वरित कार्यवाही कर अधिभार निर्धारण किए जाने तथा वसूली किए जाने के लिए ऑडिट, जांच, निरीक्षण या समापक की रिपोर्ट के आधार पर आरोप तय कर विचारण का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार की अध्यपेक्षा पर भी जांच करवाने का प्रावधान नवीन अधिनियम में प्रस्तावित किया गया है।

खेल सुविधाओं को सर्वोत्तम स्तर पर तैयार किया जाए : पंत

राज्य सरकार द्वारा आयोजित होने वाली खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 की तैयारियों की समीक्षा हेतु मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में उच्च-स्तरीय बैठक आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि यह आयोजन राजस्थान के छह संभागों— जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, भरतपुर और बीकानेर में होगा जिसमें देशभर के 200 से अधिक विश्वविद्यालयों के लगभग 5000 खिलाड़ी और 2000 अधिकारी एवं स्टाफ भाग लेंगे। मुख्य सचिव ने कहा कि यह आयोजन एक व्यापक अभ्यास है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि सभी कार्य योजनाबद्ध और समयबद्ध रूप से पूरे हों ताकि राज्य की साख और छवि और सुदृढ़ हो। मुख्य सचिव ने बैठक में उपस्थित सभी विभागों को निर्देशित किया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर केंद्र एवं राज्य दोनों स्तरों पर गहन निगरानी की जा रही है। उन्होंने खेल विभाग को निर्देश दिए कि आईटी विभाग के सहयोग से आयोजन की वेबसाइट पर मैस्कॉट और टैगलाइन हेतु एक ओपन क्रिएटिव प्रतियोगिता प्रारंभ की जाए ताकि राज्य के नागरिक भी इसमें भाग ले सकें और इस अभियान का जन-जुड़ाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि खेल प्रतियोगिताओं की समस्त जानकारी पोर्टल के माध्यम से सार्वजनिक की जाए ताकि जनता को यह पता रहे कि कौन-सा आयोजन किस स्थान पर हो रहा है।

गुरुकृपा और शिष्य समर्पण से अज्ञान का अंधेरा दूर होता है : मुनिश्री विलोकसागर

युगल मुनिराजों के संयम दीक्षा दिवस पर हो रहे विशेष आयोजन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। संसार में प्राणी भोग विलास में लिप्त होकर गुरु परम्परा को भूलते जा रहे हैं। भौतिकता की चकाचौंध में लोगों ने गुरुओं का सान्निध्य व सत्संग से दूरी बना ली है । जहाँ कुछ परमेश्वर को ही गुरु मानते हैं, तो कुछ आत्म-ज्ञान या तत्वदर्शी संतों को सच्चा गुरु मानते हैं। सच्चा गुरु वह होता है जो शास्त्रों के अनुरूप ज्ञान दे, स्वयं को ईश्वर से एकाकार अनुभव करे, अहंकार से मुक्त हो और शिष्यों को मोक्ष या परम सत्य की ओर ले जाए। गुरु अपने शिष्य को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाकर आत्मबोध कराते हैं, आध्यात्मिक विकास कराते हैं, और जीवन के उच्चतम आदर्शों से जोड़ते हैं। गुरु की कृपा और शिष्य के समर्पण से अज्ञान का अंधकार दूर होता है और प्रकाश की ओर अग्रसर होता है। गुरु का उपकार शिष्य को जीवन में सुख, सौभाग्य, और ऐश्वर्य दिलाता है तथा त्याग की भावना से जोड़ता हुआ मोक्ष मार्ग प्रशस्त करता है । गुरु की महिमा

अपरंपार और अतुलनीय है, क्योंकि वे केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान और भक्ति के प्रकाश की ओर ले जाते हैं । गुरु को भगवान का रूप माना गया है । गुरु वह पारस है जो शिष्य को अपने समान महान बना लेता है । गुरु के उपकार को कभी भुलाया नहीं जा सकता । शिष्यों का भी कर्तव्य है कि वे गुरु का सदैव गुणगान करें और साथ ही उनके बताए हुए सद मार्ग पर चलते हुए इस संसार सागर के जन्म मृत्यु को तजकर मोक्ष मार्ग की ओर गमन करें । उक्त उद्गार मुनिश्री विलोकसागरजी महाराज ने उपकार दिवस के अवसर पर बड़े जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । उपकार दिवस के पावन अवसर पर मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज ने कहा कि जैन दर्शन में गुरु का अत्यधिक महत्व है, क्योंकि गुरु ही शिष्य को अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाते हैं और आत्मा की मुक्ति के मार्ग पर मार्गदर्शन करते हैं। गुरु, जो अरिहंत, आचार्य, उपाध्याय और साधु होते हैं, वे आत्मा के वास्तविक पथप्रदर्शक हैं जो आध्यात्मिक ज्ञान और मोक्ष प्राप्ति में सहायक होते हैं। गुरु के सान्निध्य से आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा मिलता है। गुरु को 'अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला' कहा जाता है, क्योंकि वे शिष्यों के अज्ञानता रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश भरते हैं। गुरु एक मार्गदर्शक का कार्य करते हैं, जो शिष्य को सही दिशा दिखाकर मंजिल तक पहुँचाते हैं। गुरु के सान्निध्य में ही शिष्य तीर्थंकरों की शिक्षाओं का पालन कर मुक्ति प्राप्त करता है। गुरु का सान्निध्य संयम मार्ग पर चलने में सहायक होता हैं।

आचार्य छत्तीसी विधान का हुआ आयोजन

बड़े जैन मंदिर में चातुर्मासरत मुनिश्री विलोकसागरजी एवं मुनिश्री विबोधसागरजी महाराज के संयम दीक्षा दिवस के अवसर पर बड़े जैन मंदिर में आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया । विधान में साधर्मी बंधुओं, माता वहनों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । सभी लोगों ने अष्टद्रव्य से पूजन करते हुए अर्घ्य समर्पित किए । रात्रि को बालिका मण्डल एवं नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । बच्चों की इस प्रस्तुति की उपस्थित सभी लोगों ने सराहना एवं प्रशंसा की । गुरु भक्ति एवं महाआरती का आयोजन किया गया । गुरु भक्ति के आयोजन में सभी लोगों ने संगीतमय भजनों के साथ भक्तिमय नृत्य प्रस्तुत किए ।

वर्णी विकास सभा का राष्ट्रीय अधिवेशन अहमदाबाद में संपन्न

संगोष्ठी, वर्णी संदेश मासिक स्मारिका विमोचन, जयंत सीकर अध्यक्ष, विनोद जैन LIC सागर, डॉ.अरविंद जैन इंदौर कार्य. अध्यक्ष बने

सागर. शाबाश इंडिया। वर्णी संस्थान विकास सभा के तत्वावधान में गुरुकुल एवं पाठशालाओं के प्रचार -प्रसार के लिए वर्णी ज्ञान प्रभावना यात्रा गुजरात प्रांत के श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र गिरनार जी, पालीताना, तरंगाजी,सोनगढ़, देवपुरी, चैतन्य धाम अहमदाबाद होकर गुजरात विश्वविद्यालय में अधिवेशन, संगोष्ठी, स्मारिका विमोचन समारोह के साथ कार्यक्रम संपन्न हुए। परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर वर्णी विकास सभा का राष्ट्रीय अधिवेशन गुजरात विश्वविद्यालय प्रांगण में आचार्य श्री के मंगल सान्निधय में द्वय दिवसीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रथम दिवस पहले सत्र में उपस्थित विद्वानों द्वारा मंगलाचरण संजय शास्त्री तिगोडा ने किया। दीपप्रज्वलन उपस्थित विद्वानों ने किया इसके बाद कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें विद्वानों द्वारा वर्णी जी के व्यक्तित्व पर अपने विचार प्रकट किये, पुनः द्वितीय सत्र में विचार गोष्ठी में विद्वान द्वारा अपने आलेख वचन किया। सत्र की अध्यक्षता विजय शास्त्री सागर एवं सारस्वत अतिथि पं. जीवंधर शास्त्री जबलपुर, पं. दीपचंद्र जी शास्त्री भोपाल में रहे, द्वितीय दिन समिति का खुला अधिवेशन आचार्य श्री के सान्निध्य में संपन्न हुआ। मंगलाचरण के बाद वर्णी संदेश मासिक पत्रिका का विमोचन, वर्णी स्मारिका का विमोचन हुआ। अधिवेशन में सात विद्वानों एवं दो संस्थाओं को वर्णी प्रभावना पुरस्कार वर्णी जी के लिए कार्य करने वालों दिए गयें, जिसमें पं. जी जबलपुर शास्त्री जबलपुर, कैलाश चंद टीला सागर,प्रेमचंद जी डीमापुर,पं. कडोरी लाल जी वण्डा, अरविंद जैन बण्डा,मनीष विद्यार्थी सागर,पं.राजकुमार जैन कर्द एवं दो संस्थाओं उदासीन आश्रम सागर एवं वर्णी विद्यालय मड़ावरा को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री भोपाल, संयोजक पं. रमेश शास्त्री अहमदाबाद ने किया। अधिवेशन में नवीन अध्यक्ष पं. जयंत शास्त्री सीकर, कार्याध्यक्ष पं. विनोद जैन छक्कु सागर, डॉ.अरविंद शास्त्री इंदौर, मनोनीत हुए। संगोष्ठी एवं यात्रा में 60 विद्वानों ने सपरिवार भाग लिया। आचार्य श्री ने मंगल आशीष में कहा बुंदेलखंड के जैन संत गणेश प्रसाद वर्णी जिन्होंने वैष्णो परिवार में जन्म लेकर, जैन धर्म को स्वीकार कर,शिक्षा के क्षेत्र में देश में 100 से ज्यादा स्थान पर गुरुकुलों, महाविद्यालय स्थापना की, आज वर्णी विकास सभा पुनः उनके कार्यों को जीवंत करने के लिए सक्रियता से कार्य कर रही है। हमारा इस सभा के लिए हमेशा आशीर्वाद रहेगा। अंत में आचार्य श्री ने सभी पुरस्कृत विद्वानों एवं नवीन कार्यकारिणी को आशीर्वाद दिया। **प्रेषक : मनीष विद्यार्थी सागर**

सल्लेखना सेविका मिलन समारोह "अहोभाग्य" तीर्थ क्षेत्र, जैन बाग सहारनपुर में भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ

संपूर्ण भारतवर्ष की समस्त जैन समाज के लिए सल्लेखना सेवा मण्डल की सेवा अनुकरणीय: श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी सागर जी महाराज

सहारनपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भावलिंगी सन्त श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में श्री दि. जैन महिला सल्लेखना सेवा मंडल, सहारनपुर । मुख्य शाखा एवं 19 उपशाखा - के तत्वावधान में सल्लेखना सेविका मिलन समारोह ' अहोभाग्य तीर्थ क्षेत्र, जैन बाग सहारनपुर में भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि पारस जैन ' श्पार्श्वमणिश पत्रकार कोटा द्वारा जो विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं मंगलाचरण से समारोह का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम का संजीव सटीक संचालन अपनी ओजस्वी वाणी में अध्यक्षा डा. रेणु जैन द्वारा तथा अतिथियों का स्वागत समाज के कोषाध्यक्ष अरूण जैन द्वारा किया गया। शशी जैन , शोभा जैन, रीना जैन , वीना जैन , रेखा जैन ने अपने वक्तव्य में सल्लेखना पर एवं अनेक व्यक्तियों को अन्तिम समय में कराये गये त्याग पर प्रकाश डाला। समारोह गौरव जैन समाज के अध्यक्ष राजेश कुमार जैन ने मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज की महिलाओं द्वारा धर्म प्रभावना का अकल्पनीय , अविश्वसनीय और अद्भुत कार्य किया जा रहा है । सल्लेखना पर पारस जैन (पार्श्व मणि) पत्रकार कोटा , सी . ए. अनिल जैन , उपाध्यक्ष विपिन्न जैन ने भी सारगर्भित विचार प्रस्तुत किये। आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महाराज ने अपनी अमृतमयी वाणी से सबको सींचित करते हुये कहा कि आज सल्लेखना सेवा मण्डल द्वारा जो सल्लेखना सेविका मिलन समारोह आयोजित किया गया है मैं समझता हूँ कि शायद ये भारत का पहला सल्लेखना सेवा मण्डल होगा। पूरे भारतवर्ष के लिये ये प्रेरणा दायक है। सल्लेखना सेवा मंडल से जुड़ी हुई इतनी माताएं व बहने जो जिनका प्राणान्त निश्चित है उनके लिये उनके मृत्यु काल में उनकी मृत्यु को संवारने का प्रयास करती हैं। जिनका जन्म है उनकी मृत्यु निश्चित है। यदि जैन धर्म में जन्म लिया है तो जैन धर्म का अन्तिम फल है सल्लेखना समाधि । आप लोग जैन धर्म के सिद्धान्तो को अपना रहे हो । यदि आप किसी जीव को णमोकार मन्त्र भी सुना देंगे तो वह आपके मरण में भी सहायक बन सकता है। जब जीव का अन्तिम समय आता है तो वह उल्टी सांस लेता है । ऐसे समय में सबसे पहले क्षमा याचना कराकर फिर जीव का पूर्ण रूप से त्याग कराना चाहिये जो दूसरों की समाधि कराता है वह स्वयं समाधि को प्राप्त होता है। जीवन में पता नहीं कौनसा जीव कब आपके अंत समय में सहयोगी बन जाए। अन्त में जिनागम पंथ जयवन्त हो ' की जय जयकार से आकाश गुंजायमान हो गया।

मेवाड़ के सितारे अवॉर्ड शो आज

कई नामचीन हस्तियां होगी शामिल, विभिन्न क्षेत्रों के ख्यातनाम 51 लोग होंगे सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। आरके मीडिया एंटरटेनमेंट कंपनी एवं विवा कंपोजिट पैनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मेवाड़ की मिट्टी में प्रतिभाओं को सम्मान देने हेतु 11 अक्टूबर को मेवाड़ के सितारे अवार्ड शो का बलीचा स्थित होटल पंडोरा ग्रैंड में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसमें उदयपुर एवं वागड़ क्षेत्र की 51 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जायेगा। आयोजक रोहित कोठारी ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि इस अवॉर्ड शो में कई नामचीन हस्तियां शामिल होगी। समारोह मुख्य अतिथि सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग राजस्थान सरकार के मंत्री गौतम दक, निवृत्ति कुमारी मेवाड़ उदयपुर, विशिष्ट अतिथि के रूप में मंत्रराज पालीवाल वाइस चेयरमैन मिराज ग्रुप एवं यूथ आइकॉन, मेजर ध्यानचंद के पुत्र अशोक कुमार ध्यानचंद (अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, भारत के पूर्व हॉकी खिलाड़ी), विशिष्ट अतिथि ताराचंद जैन शहर विधायक उदयपुर, फूल सिंह मीणा ग्रामीण विधायक उदयपुर, नमित मेहता कलेक्टर उदयपुर एवं कई बड़े इनफ्लुएंसर एक्टर बिजनेसमैन इस अवॉर्ड शो में शामिल होंगे। इस अवॉर्ड शो में पूरे मेवाड़ एवं वागड़ से 51 लोगों को नॉमिनेशंस के माध्यम से सेलेक्ट किया। मेवाड़ में यह पहला शो होगा। इस अवॉर्ड शो को लेकर युवाओं में एवं वरिष्ठ लोगों में काफी उत्साह है। आयोजकों के अनुसार, इस अवॉर्ड शो में मेवाड़ ही नहीं बल्कि देशभर की नामचीन हस्तियां भी शिरकत करेंगी। इससे प्रतिभाओं को न सिर्फ सम्मान बल्कि बड़ा मंच भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि मेवाड़ और वागड़ के जिन 51 लोगों को सम्मानित किया जा रहा है उन्हें अलग-अलग कैटिगरीज के आधार पर सेलेक्ट किया गया हैं। यह सभी 51 लोग अपने-अपने क्षेत्र के नामचीन हैं। इन्हें अपने कार्य क्षेत्र में तो महारत हासिल की है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह समाज के और लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं। इन्हें सलेक्ट करने से पहले उनकी पूरी प्रोफाइल देखी गई है इंस्टाग्राम फेसबुक सोशल मीडिया पूरा चेक करने के बाद जूरी मेंबर्स ने इन्हें सेलेक्ट किया है। सभी 51 सम्मानित लोगों में 12 महिलाएं भी शामिल है। हर क्षेत्र से दो-तीन लोगों को इसमें शामिल किया गया है। मेवाड़ का हमारा यह पहला शो है। उन्होंने कहा कि यह तो अभी शुरूआत है शीघ्र ही हम इसका दूसरा सीजन भी लेकर आएंगे जिसमें और भी कैटिगरीज में अपने-अपने क्षेत्र की नामचीन हस्तियों को शामिल किया जाएगा। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'**

मुनि अनुपम सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री पदम प्रभु विधान पूजा संपन्न हुई

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में मुनि अनुपम सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री पदम प्रभु भगवान का विधान पूजा उत्साह पूर्वक संपन्न हुई। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रातः मुनि अनुपम सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 5:30 बजे विशेष पूजा एवं श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा हुई। इस अवसर पर मुनि अनुपम सागर महाराज ने धर्म देशना में कहा कि मनुष्य कितनी टेंशन में जी रहा है, कितने पाप कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीन लोक के चरणों में आकर संसार से मुक्ति पाले, संसार के बंधन में क्यों पड़े हो। उन्होंने कहा कि आगामी दिवाली पर पटाखे नहीं छोड़ने का संकल्प ले, पटाखे छोड़ने से कितने जीवो का घात कर रहे हो। हमने एकांतवाद में जन्म लिया है, हम क्यों आतंकवाद को क्यों पाल रहे हो। उन्होंने कहा कि संतान संतों का भक्त बन जाए, व उनकी की सेवा करें वह ज्यादा श्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि पूरा जीवन पापों में गुजार दिया, हम महावर्ती बनकर दीक्षा लेकर मोक्ष प्राप्त करने में ही जीवन का

कल्याण है। भगवान के सामने भिखारी बनकर कभी नहीं आना, भक्त बनकर आना। सारे काम सफल होंगे। मुनि निर्मोह सागर महाराज ने कहा कि खान-पान, उसकी वाणी से उसके चरित्र के बारे में जानकारी मिल जाती है। उन्होंने कहा कि हमेशा सत्य प्रिय वाणी बोलना चाहिए। मंत्री पूनम सेठी ने बताया कि दोपहर 1:00 बजे ए अनुपम सागर महाराज से संघ के सानिध्य में श्री पदम प्रभु भगवान का विधान पूजा कोटा के लिए कमलेश सेठी के निर्देशन में भक्ति संगीत के साथ पूजा के प्रारंभ में निशा जैन, सुमन पाटनी, सुनीता गोधा, कल्पना सोगानी, कर्ति अग्रवाल विधान पर कलश स्थापित किए एवं कमलेश सेठी ने दीपक स्थापित किया। मुनि अनुपम सागर महाराज ने पूरे विधान को अपने मुखारविंद से भक्ति के साथ इंद्र- इंद्राणियों ने विधान पर नाचते- गाते संगीत की स्वर लहरियों में 71 अर्ग समर्पण किये। इस दौरान पदम जैन कोटा निवासी का 21 वर्षीय पुत्र बाल ब्रह्मचारी अतिशय भैया जो आगामी दिनों में मुनि आदित्य सागर महाराज के सानिध्य में मुनि दीक्षा लेंगे। उनका माल्यार्पण कर साफा पहनाकर सम्मानित किया। एवं शांतिधारा गिर गौशाला एवं पंचगव्य अनुसंधान केंद्र द्वारा आयुर्वेदिक दवाइयां एवं हथकरघा से बने वस्त्र की स्टाल का पूजा दीदी ने मुनिससंघ को अवलोकन कराया एवं इन्हें आशीर्वाद दिया। उल्लेखनीय है कि प्रात राकेश पाटनी, गुलाबचंद शाह, ने दीप प्रज्वलन, ट्रस्ट के सदस्य समाज के सदस्यों ने मुनि ससंघ का पाद पक्षालन किया। महिलाओं ने शास्त्र भेंट किए एवं महिला मंडल ने मंगलाचरण किया। संचालन पूनम सेठी ने किया।

परिदृश्य

तनाव को लेकर एक और तनाव

तनाव को लेकर एक और तनाव। जीवन में अनेक समस्याएं हैं। समस्याएं पीड़ित करती हैं। लोग तनाव में आते हैं लेकिन भारत के लोग तनाव को लेकर प्राय चिकित्सकों के पास नहीं जाते। दुनिया के तमाम देशों में मनोविश्लेषकों के पास लम्बी कतारे हैं। संपन्न लोग निजी मनोचिकित्सक भी रखते हैं लेकिन भारत में मनोविश्लेषकों के पास भीड़ नहीं है। मनोविश्लेषक हैरान हैं। सो इस पेशे के समर्थक भारत को पिछड़ा बताते हैं। मनोविश्लेषक तनाव को रोग बताते हैं। वे तमाम प्रश्न पूछते हैं परामर्श देते हैं। इसे काउंसिलिंग कहा जाता है। लेकिन तनाव का समाधान प्रायः नहीं होता। मैं अपना उदाहरण दूं। वैसे राजनीति तनाव का क्षेत्र है ही। यहां प्रतिपल तनाव हैं। मेरे एक मित्र वरिष्ठ राजनेता अक्सर तनाव में रहते हैं। अखबार में उनका नाम पहले नम्बर पर नहीं आता। तनाव सब तरफ है। क्रिकेट के खेल में मनपसंद टीम नहीं जीती तो भी तनाव लेकिन तनाव बीमारी नहीं है। यह जीवन दृष्टि का ही उपहार है। दर्शन की अनेक धाराएं हैं लेकिन जीवन संहिता के ढंग सिर्फ दो। हम आस्तत्व के अंग हैं। आस्तत्व का हरेक अंग, अणु और परमाणु गतिशील है। इसी गति में हम सब भी गतिशील है। अस्तित्व के साथ गतिशील होना विराट प्रवाह का आनंद पाना है। नदी बह रही हैं। हम बहाव के विपरीत तैर रहे हैं। संघर्ष स्वाभाविक है। संघर्ष का ताप अंदर तक होना ही तनाव है। लेकिन इसका दूसरा पहलू भी है। हम नदी के प्रवाह में स्वयं को छोड़ सकते हैं। अब नदी की इच्छा ही हमारी इच्छा। वह जहां चाहे, वहां ले जाए। काहे का संघर्ष। तनाव का कोई प्रश्न ही नहीं। अस्तित्व विराट। नदी जैसा। हम आस्तत्व के अंग हैं। अस्तित्व नाद के ही प्रवाह। उपनिषद के ऋषि बता गये हैं- इकाई होना दुख है। अनंत होना आनंद। बूंद होना पीड़ा है, नदी या सागर होना परमबोध और आनंद। अनंत होने की अनुभूति का मार्ग सीधा है। यहां कोई बौध्दिकता नहीं। ऋक पंथ है यह अस्तित्व का जस तस स्वीकार। अस्तित्व ही निर्णायक है। हम कौन होते हैं, निर्णय लेने वाले? यही आस्तिकता है। आस्तिकता किसी अज्ञात ईश्वर के प्रति विश्वास नहीं है। अस्तित्व प्रत्यक्ष है। जड़ के हरेक अणु से चेतना झांक रहा है। पेड़ से, शाख से, पत्ती और फूल से चेतना ही चेतन की गूंज है। हरेक प्राणी, धूल का कण या कीट पतंग अस्तित्व का ही चेहरा है।

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन : एक नई साझेदारी की दिशा

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की 8-9 अक्टूबर 2025 को भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक भू-राजनीति के बदलते परिदृश्य में दोनों देशों के साझा हितों को मजबूत करने का अवसर भी। स्टार्मर का यह पहला आधिकारिक दौरा, जो मुंबई में केंद्रित है, जुलाई 2025 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित व्यापक आर्थिक व्यापार समझौते (सीईटीए) की सफलता पर आधारित है। यह यात्रा 'विजन 2035' के तहत भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी को नई गति प्रदान करने वाली है, जहां व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

यात्रा का प्रमुख एजेंडा मुंबई में वैश्विक फिनटेक फेस्ट के छठे संस्करण में दोनों नेताओं के संयुक्त उद्बोधन से स्पष्ट होता है। फिनटेक क्षेत्र, जो भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था का इंजन है, ब्रिटेन की वित्तीय विशेषज्ञता के साथ मिलकर नई संभावनाएं खोल सकता है। स्टार्मर के साथ 125 ब्रिटिश सीईओ, उद्यमी, विश्वविद्यालय कुलपतियों और सांस्कृतिक नेताओं का शिष्टमंडल आना इस बात का संकेत है कि यह यात्रा केवल राजनयिक नहीं, बल्कि व्यावसायिक मिशन भी है। 468 मिलियन डॉलर (लगभग 350 मिलियन पाउंड) का मिसाइल आपूर्ति अनुबंध और सीईटीए के त्वरित कार्यान्वयन पर चर्चा से साबित होता है कि दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। टेक्सटाइल से व्हिस्की और वाहनों तक टैरिफ में कटौती से ब्रिटिश निर्यातकों को भारतीय बाजार में प्रवेश आसान होगा, जबकि भारतीय आईटी और फार्मा कंपनियां ब्रिटेन में अधिक निवेश कर सकेंगी। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में भी यह यात्रा महत्वपूर्ण है। यूक्रेन युद्ध और गाजा शांति योजना जैसे वैश्विक मुद्दों पर दोनों नेताओं की समान धारणा—जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का स्वागत शामिल है—द्विपक्षीय वार्ताओं को प्रभावित करेगी। स्टार्मर की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की संभावित भारत यात्रा से ठीक दो माह पहले हो रही है, जो भारत की बहुपक्षीय कूटनीति को रेखांकित करती है। ब्रिटेन के साथ रक्षा सहयोग, जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास और खुफिया साझा, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के खिलाफ एक रणनीतिक संतुलन प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, शिक्षा और पर्यटन में सहयोग से भारतीय डायस्पोरा—जो ब्रिटेन में 17 लाख से अधिक मजबूत है—के योगदान को और मजबूत किया जाएगा। प्रीमियर लीग के ग्रासरूट फुटबॉल कार्यक्रम की सराहना करते हुए स्टार्मर ने खेल के माध्यम से सांस्कृतिक पुल बनाने की बात कही, जो युवा पीढ़ी के बीच संबंधों को मजबूत करेगा। हालांकि, यह यात्रा चुनौतियों से मुक्त नहीं है। ब्रेक्सिट के बाद ब्रिटेन की आर्थिक कमजोरी और भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

2047 तक भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता की राह

भारत वर्ष 2047 में अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा। यह वह समय होगा जब राष्ट्र केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक और ऊर्जा दृष्टि से भी आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न देख रहा है। आज भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता देश है। हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा भाग जीवाश्म ईंधनों-अर्थात कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस-से पूरा होता है। किंतु इन संसाधनों की सीमित उपलब्धता और इनके दुष्परिणाम अब स्पष्ट हैं। तेल आयात पर अत्यधिक निर्भरता भारत की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालती है। अतः ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में स्वच्छ प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी ही भारत के भविष्य की आधारशिला सिद्ध हो सकती हैं। ऊर्जा स्वतंत्रता का अर्थ केवल पेट्रोल या डीजल के आयात को रोक देना नहीं है, बल्कि यह ऐसी व्यवस्था स्थापित करने का संकल्प है जिसमें ऊर्जा उत्पादन, वितरण और उपभोग-सभी स्तरों पर पर्यावरण अनुकूल, टिकाऊ और स्वदेशी समाधान अपनाए जाएँ। स्वच्छ प्रौद्योगिकी का उद्देश्य प्रदूषण कम करना, कार्बन उत्सर्जन घटाना और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना है। वहीं जैव प्रौद्योगिकी, जीवित सूक्ष्मजीवों और प्राकृतिक जैविक प्रक्रियाओं के माध्यम से नई ऊर्जा संभावनाएँ खोजने में सहायक बनती है। भारत की बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण ऊर्जा की माँग लगातार बढ़ रही है। आज भारत अपनी कुल तेल आवश्यकताओं का लगभग अस्सी प्रतिशत विदेशों से आयात करता है। यह न केवल विदेशी मुद्रा पर भार डालता है बल्कि ऊर्जा सुरक्षा को भी संकट में डालता है। यदि भारत को 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्र बनना है तो उसे परंपरागत ईंधनों के स्थान पर नवीकरणीय और स्वच्छ स्रोतों को प्राथमिकता देनी होगी। सरकार ने इस दिशा में कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय सौर मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम, फेम योजना और राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति जैसी योजनाएँ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव रख रही हैं। इन पहलों का उद्देश्य है-जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, स्वदेशी तकनीकों को बढ़ावा देना और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना। भारत सौर ऊर्जा उत्पादन में विश्व का अग्रणी देश बन रहा है। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में बड़े सौर पार्क स्थापित किए गए हैं। 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार पवन ऊर्जा और जलविद्युत परियोजनाएँ भी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। स्वच्छ प्रौद्योगिकी के प्रयोग से ऊर्जा उत्पादन अधिक कुशल और पर्यावरण अनुकूल बनता जा रहा है। ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। ऊर्जा का संचयन और उसका स्मार्ट उपयोग भी उतना ही आवश्यक है। नवीकरणीय स्रोतों की अनियमितता-जैसे सूर्य का न उगना या हवा का न चलना-ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करती है। इसके समाधान के रूप में बैटरी भंडारण और स्मार्ट ग्रिड तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इनसे ऊर्जा को संग्रहीत कर आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जा सकता है। भारत का ग्रीन हाइड्रोजन मिशन इस दिशा में ऐतिहासिक पहल है। हाइड्रोजन वह ईंधन है जो जल के विद्युत अपघटन से प्राप्त होता है और इसके उपयोग से कार्बन उत्सर्जन लगभग शून्य रहता है। यह इस्पात, परिवहन और उर्वरक जैसे भारी उद्योगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा विकल्प प्रस्तुत करता है। 2030 तक पाँच मिलियन मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। यह भारत को तेल आयात से काफी हद तक मुक्त कर सकता है।

चांद की रोशनी में खिला सुहाग का संकल्प

नारी शक्ति के संयम, समर्पण और श्रद्धा का अद्भुत उत्सव बना करवा चौथ

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष चतुर्थी को मनाया जाने वाला करवा चौथ भारतीय नारी के प्रेम, त्याग और अटूट विश्वास का अनुपम प्रतीक है। दिनभर निर्जला रहकर पति की लंबी आयु की कामना करने वाली सुहागिनों की यह परंपरा युगों से वैवाहिक बंधन की पवित्रता को सहेजती आई है। लेकसिटी में शाम के समय जब सजी-धजी विवाहिताएं आकाश में उदित चांद को देख जल और दूध से अर्घ्य दे रही थीं, तो हर चेहरे पर श्रद्धा की चमक और प्रेम की आभा झलक रही थी। मिट्टी के करवों, सुहाग की मेहंदी और मंगल गीतों ने इस पर्व को भावनाओं का उत्सव बना दिया। आधुनिक युग की भागदौड़ में भी यह परंपरा नारी के आत्मबल, पारिवारिक एकता और सनातन संस्कारों की जीवंत पहचान बनी हुई है-जहां उपवास भक्ति नहीं, बल्कि प्रेम का गहरा संवाद बन जाता है।

फोटो स्टोरी : राकेश शर्मा 'राजदीप'

दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन मन्दिर मंगल विहार में तृतीय मासिक भक्तामर स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन

महारानी फार्म सम्भाग द्वारा किया गया आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन महा समिति राजस्थान अंचल के तत्वावधान में सभी संभागों के अंतर्गत किए जाने वाले मासिक 48 ऋद्धि सिद्धी मंत्रों से युक्त दीपक द्वारा भक्तामर स्तोत्र पाठ का अक्टूबर माह का तृतीय आयोजन दिगंबर जैन महासमिति महारानी संभाग द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर मंगल विहार गोपाल पुरा पर आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में अंचल अध्यक्ष अनिल कुमार जैन आई पी एस, अंचल महामंत्री महावीर बाकलीवाल, महिलाँचल अध्यक्ष शकुंतला विनायक्या, कार्यक्रम समन्वयक एवं अंचल कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, कार्यक्रम संयोजक एवं अंचल न मंत्री शान्ति काला, महारानी फार्म संभाग अध्यक्ष नरेन्द्र सेठी, महारानी संभाग मंत्री विमल प्रकाश कोठारी, पश्चिम संभाग अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी, रोशन लाल सेठी, महासमिति के विशिष्ट सदस्य सरला संघी, रेणु काला, सीमा बड़जात्या, मंगल विहार मन्दिर प्रबंध समिति के सुरेन्द्र शाह, बाबू लाल ठेकेदार, जगदीश जैन, विनय जैन, संजय जैन 'निखीं', मंजू छाबड़ा आदिनाथ ग्रुप कोषाध्यक्ष रोशन लाल जैन आदि की गौरवमई उपस्थिति रही। पाठ पूर्व उपस्थित मन्दिर पदाधिकारीयों, संभाग पदाधिकारीयों का अभिनन्दन महासमिति पदाधिकारियों द्वारा किया गया। पाठ पश्चात मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या ने महासमिति की और से मंदिर प्रबंध समिति द्वारा स्थान उपलब्ध कराने एवं महारानी फार्म संभाग के पदाधिकारियों का सुंदर आयोजन हेतु धन्यवाद व आभार प्रेषित किया।

अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर दिवस पर विश्व शांति के लिए की आराधना

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा अजमेर संभाग के महामंत्री कमल गंगवाल व संभाग संयोजक संजय कुमार जैन ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर दिवस के अवसर पर आयोजित भक्तामर महास्तोत्र आराधना का कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन श्री 1008 भगवान महावीर के 2552वें निर्वाण वर्ष के पूर्व विश्व शांति की भावना से पूरे देश और विदेश में एक साथ किया गया। अजमेर जिले में भी यह आराधना सभी जगह गुरुवार को प्रातः 9 बजकर 9 मिनट 9 सेकंड पर प्रारंभ हुई। मंडल के प्रवक्ता विजय पांड्या ने बताया कि यह आयोजन केवल अजमेर ही नहीं, बल्कि देश-विदेश के अनेक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया, जिससे वैश्विक स्तर पर भक्ति, एकता और शांति का संदेश प्रसारित हुआ। सभी जगह अंत में आरती एवं मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री जैन श्वेतांबर मंदिर सांगानेर में भक्ति संध्या सम्पन्न

नवीन कुमार भंडारी ने गौ कास्ट के महत्व पर दिया प्रेरक संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन श्वेतांबर मंदिर में आयोजित भक्ति संध्या कार्यक्रम में श्रद्धा, संगीत और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुप्रसिद्ध गायक संदीप श्रीमाल सहित अन्य भजन कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी नवीन कुमार भंडारी का विशेष रूप से सम्मान किया गया।इस अवसर पर उन्होंने गौ संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन पर जनजागृति का संदेश देते हुए कहा कि ''गौ कास्ट (गोबर से बने उत्पाद) का उपयोग हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए।पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए हमें दाह संस्कार, होलिका दहन और मंदिरों में होने वाले हवन जैसे धार्मिक अनुष्ठानों में लकड़ी के स्थान पर गौ कास्ट का प्रयोग करना चाहिए।'' उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य अपने जीवनकाल में लिया गया ऋण चुका सकता है, परंतु पेड़ों की कटाई से जो असंख्य जीव-जंतु हवन और संस्कारों में जलकर नष्ट होते हैं, उनके प्रति उत्पन्न पाप हमें अगले जन्म में भोगना पड़ता है। अतः हमें संकल्प लेना चाहिए कि आगे से लकड़ी की जगह गौ कास्ट का ही उपयोग करेंगे। शरद पूर्णिमा की इस पावन भक्ति संध्या के लाभार्थी रहे विजय चन्द, विशाल, विपिन झाड़झुर परिवार, जयपुर। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और वातावरण भक्ति, एकता व सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। ऐसे आयोजन न केवल धार्मिक भावना को प्रगाढ़ करते हैं, बल्कि समाज में गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सद्भावना का संदेश भी फैलाते हैं।

500 वर्ष प्राचीन आमेर रियासत कालीन मंदिर कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला 11-12 अक्टूबर को

शनिवार दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 9:15 बजे चन्द्र प्रभु विधान पूजा तथा इसी दिन रात्रि 8-15 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा, 12 अक्टुबर को प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराई जाएगी।

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चंद्र प्रभु जी कूकस का दो दिवसीय वार्षिक मेला शनिवार 11 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। क्षेत्र के अध्यक्ष बाबू लाल बाकलीवाल व मंत्री प्रदीप गोधा ने बताया की कूकस स्थित 500 वर्ष प्राचीन आमेर रियासत कालीन मंदिर में इस अवसर पर शनिवार दिनांक 11 अक्टूबर को प्रातः 9:15 बजे चन्द्र प्रभु विधान पूजा से मेला की शुरूआत होगी। इसी दिन रात्रि 8-15 बजे से भक्ति संध्या का आयोजन होगा जिसमें जयपुर के विख्यात भजन गायक पूनम चंद गोधा, अशोक पांड्या, श्रीमती मीनू सौगानी सुनील पांड्या,आयुष पांड्या श्रीमती आरुषि जैन व श्री वीर संगीत मंडल आदि के द्वारा भजन प्रस्तुतियां दी जाएगी। भक्ति संध्या में प्रसिद गायक कलाकार नरेंद्र जैन द्वारा अपनी प्रस्तुति दी जाएगी। क्षेत्र के कार्याध्यक्ष सुनील पहाड़िया ने बताया कि रविवार दिनांक 12 अक्टूबर को प्रातः 8:15 बजे वृहत शांति धारा के तत्पश्चात प्रातः 9.15 बजे साजों से 24 तीर्थंकर पूजन श्री वीर संगीत मंडल द्वारा कराई जाएगी। इसके बाद दोपहर 3:30 बजे से श्री जिनेंद्र भगवान के कलशाभिषेक होंगे। मेला संयोजक दीपेश छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता हेमंत सोगानी अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन मंदिर महासंघ व अध्यक्षता प्रमुख समाज सेवी उत्तम चंद पांड्या होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुभाष पाटनी स्वपन लोक रिसोर्ट एवं पारस पाटनी पार्षद होंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक प्रशांत सहदेव शर्मा गौरवमयी अतिथि होंगे।

प्रचार संयोजक
राकेश छाबड़ा

विश्व शान्ति हेतु मांगतुगाचार्य रचित भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। अन्तरराष्ट्रीय भक्तामर स्तोत्र दिवस के पावन अवसर पर विश्व मे सभी जगह एक समय एक साथ कुचामन सिटी जैन समाज द्वारा श्री जैन वीर मंडल के तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया दीप प्रजलीत कर शुभारंभ कर सुबह 9 बजकर 9 मिनट 9 सेकंड पर भक्तामर काव्य पाठ किया गया। भक्तामर स्तोत्र केवल शब्दो का सग्रह नही, बल्कि श्रद्धा आस्था ओर आत्मिक ऊर्जा का दिव्य माध्यम है। भक्तामर काव्य पाठ स्तुति करने से पापो का क्षय, दुखो का हनन सब सकट दुर होते हे व कार्य सिद्धि सुख समृद्धि अनेक बीमारियों दुर होती हे प्राकृतिक विपतिया आपतिया पुरे विश्व मे आ रही उसे रोकने मे कारगर साबित होगा इसकी वल्गनाओ से आपदा संकट टलते हे इसी भावना से भक्तामर काव्य पाठ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पुरानी धान मंडी स्थित नागोरी मंदिर परिसर के चिन्मय संत सदन में किया गया, जिसमें समाज के अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। भक्तामर स्तोत्र के दिव्य पाठ से वातावरण धर्ममय हो गया। इस अवसर पर समाज के महावीर मन्दिर के अध्यक्ष लालचंद पहाडिया, नागौरी मन्दिर के विमल,विनोद झाझरी, अजित पहाडिया अजमेरी मन्दिर के अशोक गगंवाल,राजकुमार सेठी, मनोज पांडया श्री जैन वीर मंडल के सोभागमल गगंवाल,देवेन्द्र पहाडिया, अशोक झाझरी, सुरेश, सुभाष,अशोक, अभिषेक, सुनिल जैन व समाज के वरिष्ठजनों और युवाओं, महिलाओ की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। सुभाष पहाडिया ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से संसार में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है और युवा वर्ग को भी जैन धर्म का मुख्य सिदान्त जीवो ओर जिने दो की महान परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है। -**सुभाष पहाडिया**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

देव, शास्त्र गुरु,धर्म,मंदिर, क्षेत्र की रक्षा शक्ति अनुसार धार्मिक कार्य करें: आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज

युवाओं सहित अनेकों ने अभिषेक सहित अन्य नियम व्रत लिए

टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन नसिया में आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज के ससंघ का चातुर्मास में अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। विगत दिनों अनेक युवाओं ने श्रीजी के अभिषेक, स्वाध्याय व्रत, उपवास के नियम अंगीकार किए इससे साधु के चातुर्मास की सार्थकता होती हैं। आपने उपदेश में बताया कि ऐश्वर्य, धन सभी प्राप्त करना चाहते हैं इसके बिना आपको लौकिक जीवन बेकार लगता है,जिस प्रकार धन का उपयोग लौकिक कार्यों में आप करते हैं, धन का धार्मिक कार्यों में सदुपयोग करना चाहिए। आपने आरोग्यता अर्थात स्वस्थ निरोगी शरीर को भी धन निरूपित किया। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने आगे प्रवचन में बताया कि दूषित खानपान दिनचर्या के कारण आपका शरीर रोगी होता है इसलिए दिनचर्या ठीक रहना चाहिए कषायऔर इंद्रिय विषय भोग के कारण शरीर, आत्मा मन खराब होकर रोगी है इससे आरोग्यता नष्ट होती है।इन कषाय और इंद्रीय विषय भोगों से आत्मा की रक्षा करना चाहिए ।आचार्य श्री ने विद्वत्ता ज्ञान को वास्तविक धन निरूपित किया इसके बिना व्यक्ति निर्धन है, सभी को सज्जनों के साथ मित्रता करना चाहिए मित्रता को भी एक धन बताया मित्रता के बिना आरोग्यता और विद्वता ज्ञान भी नष्ट हो जाता है। आप सभी ने भगवान, तीर्थंकरों , महापुरुषों के महान कुल में जन्म लिया है इसलिए जैन कुल में सभी को शास्त्रों का अध्ययन स्वाध्याय करना चाहिए इससे ज्ञान प्राप्त होता है और प्राप्त ज्ञान को जीवन में आत्मसात करना जरूरी है। जितनी तन्मयता से आप न्यूज पेपर पढ़ते हो उतना पूर्ण उपयोग शास्त्र स्वाध्याय में भी होना चाहिए।इससे ज्ञान प्राप्त होता हैं। 5 प्रकार के स्वाध्याय में वाचना और धर्म उपदेश भी समाहित है। वचन श्रावक द्वारा और प्रवचन साधु द्वारा दिया जाता है।स्वाधीनता भी धन हैं आत्मा ज्ञान और आचरण से स्वाधीन होना चाहिए। स्वच्छंदता सभी क्षेत्रों परिवार , सामाजिक,धार्मिक क्षेत्र हो हानिकारक है। लज्जा शर्म के अभाव में व्यक्ति स्वच्छंद हो जाता है परिवार में लाज रूपी संस्कार से परम्परा रूपी फसल से आप सुखी रहोगे। अनुशासन से लज्जा रहती है आचार्य श्री ने सूत्र बताया लाज से काज ठीक होता है देव शास्त्र गुरुओं धर्म के प्रति पुरुष महिला दोनों को लज्जा रखना चाहिए। सभी को देव शास्त्र गुरु धर्म जिन मंदिर क्षेत्रों की सुरक्षा शक्ति अनुसार तन,मन,धन से अनुशासन के साथ करना चाहिए।समाज प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार ने बताया की प्रतिदिन बाहर से काफी संख्या में श्रद्धालू आचार्य श्री के दर्शन के लिए पधार रहे हैं निवाई , शिवाड़, पीपल्दा, बोली कस्बे के श्रद्धालुगण शीतकालीन प्रवास के लिए श्रीफल भेंट कर रहे हैं इस मौके पर शुक्रवार को प्रातः काल धर्मेंद्र पासरोटियां अंकुर पाटनी, नीटू छामुनिया, ओम ककोड़, मुकेश बरवास, आयुष फूलेता, कमल सर्राफ, पंकज फूलता, सुमित दाखीया, अमित छामुनिया, सीटू सहित 50 से 60 युवा वर्ग ने आजीवन नित्य अभिषेक के नियम लिया और संकल्प लिया प्रतिदिन अभिषेक नित्य देव दर्शन करेंगे इस मौके पर आचार्य श्री की आहार चर्या मोहनलाल मदनलाल पदमचंद ज्ञानचंद छामुनिया परिवार के यहां संपन्न हुई । अग्रवाल धर्मशाला में टोंक निवाई, सनावद, इंदौर ,विजयपुर भीलवाड़ा , किशनगढ़ कलकत्ता भींडर सहित अन्य नगरों के चौके लग रहे है। सायंकाल को प्रतिदिन आरती शास्त्र ज्ञान स्वाध्याय में काफी संख्या में लोग उपस्थित हो रहे हैं।

अभाव सदभाव में बदल जाये बहुत कठिन है, सदभाव से अभाव होना बहुत सरल है: मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

समयसार शिक्षण प्रशिक्षण शिविर में दिया जा रहा है

पंच कल्याणक हेतु भगवान के माता-पिता का चयन धन्य तेरस को होगा : विजय धुर्रा

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

अभाव सदभाव में बदल जाये बहुत कठिन है सदभाव से अभाव होना बहुत सरल है पैसे बाले घनी लोग गरीब होते तो देखने में आ जाता है लेकिन गरीब बहुत जल्दी नगर सेठ हो गया बहुत कम देखने में आता है अंधकार हटें तो प्रकाश आवे जव तक प्रकाश की किरण नहीं फूटी तव तक अंधकार पहरा रहेगा ये प्रकृति का नियम है शेर का वच्चा बचपन में ही गुम हो गया और भेड़ो में रहकर अपना स्वभाव भूलकर भैड़ अपने आप को समझ बैठा ऐसे ही व्यक्ति की पहचान कुल जाति से हो रही है हम भी अपने आप को यही तक सीमित समझ रहे हैं उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव राष्ट्रसंत श्री सुधासागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

धन्य तेरस को होगा भगवान के माता-पिता का चयन : विजय धुर्रा

इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गम्भीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री वरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज ससंघ वाल ब्रह्मचारी प्रदीप भइया के निर्देशन में 9 दिसंबर से 15 दिसंबर तक होने जा रहे श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव में भगवान के माता-पिता वनने वाले प्रमुख पात्र का चयन धन्य तेरस को प्रातः साढ़े आठ बजे सुभाष गंज मैदान में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में एवं प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया के निर्देशन में होगा इस हेतु आज से सभी नगर वासियों के लिए फोर्म का विमोचन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई दारा किया गया और आप जनता के लिए जारी कर दिया गये ये फार्म कोई भी भरकर परम पूज्य मुनि संघ के पास प्रस्तुत कर सकेगा। इन्हीं में से भगवान के माता-पिता का चयन किया जाएगा जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित बरोदिया प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारल्लिय मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर सजंय के टी थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो ने इच्छुक लोगों से फार्म भरने का निवेदन किया है।

संसार अवस्था में हमारी कोई पहचान नहीं है भारत में रह रहे हैं तो भारतीय बन गया

उन्होंने कहा कि संसार अवस्था में हमारी कोई पहचान नहीं है भारत में रह रहे है तो भारतीय वन गया माता पिता के साथ रह रहा है तो बेटा वन गया कसाईयो के साथ रह रहा है कसाई मानने लगा भगवान को देखा तो भक्त वन गया गुरु को देखा तो चेला वन गया जिसको देखा तो उसे अपना मानने लगा सब कुछ होते हुए भी अपने आप को भूल गया और ऐसा भूला कि समझ में नहीं आ रहा है कि अब क्या किया जाए शाम को बहुत अच्छी तरह से शोया था सुबह उठते ही वुरूस चाहिए वह टूट पड़ा था इतने तो गुस्सा उवल पड़ा तुम्हारी शान्ति की कीमत एक बुर्स तक सिमिट कर रह गई । तुम्हारा सुख था एक वुरस कितना सस्ता कर दिया तुमने शान्ति को। बड़ी मुश्किल से आई थी जिंदगी में शान्ति लेकिन हमने अपनी शान्ति को एक छोटे कारण में गंवा दिया। बड़ी मुश्किल से आई थी जिंदगी में शान्ति लेकिन हमने अपनी शान्ति को एक छोटे कारण में गंवा दिया दो दिन से कह रहा हूं कि कितनी मुश्किल

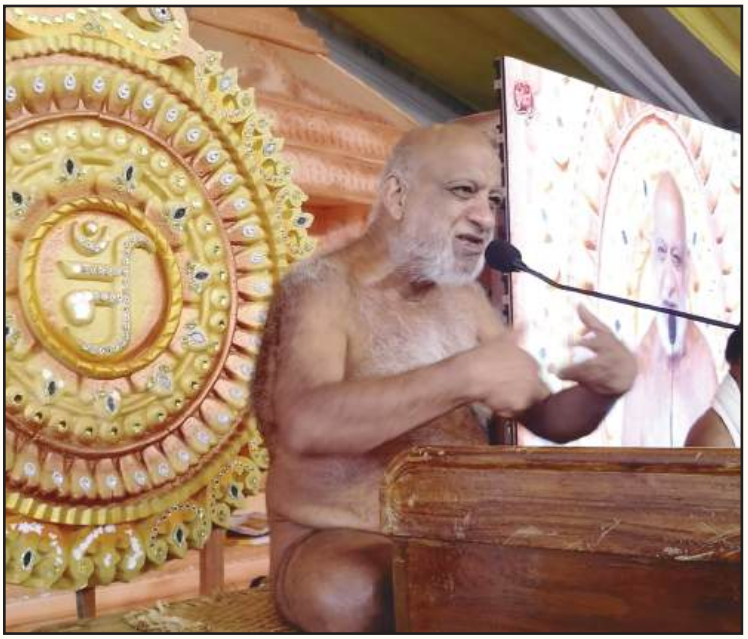

से आती है शान्ति। शान्ति को अनमोल कर दो तुम्हें दुःख है दुख का कारण क्या है जहां से दुर्गंध आती है वह एक टिकिया रख दी। दुर्गुण है भरा पड़ा रहने दो बस गुणों को बढ़ाते चले जाओ उन्होंने कहा कि मुनि राज के चारों ओर असाता का सबसे ज्यादा उदय रहता हमें विरोधी हिंसा का त्याग कराया गया है कोई हमें मारें को मना किया गया है सबसे ज्यादा निर्भय कौन है दिगम्बर मुनिराज सबसे ज्यादा अभाव में रहते हुए कौन जीता है दुनिया में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जिसके पास कुछ ना कुछ तो होगा ही दुनिया में सिर्फ दिगम्बर जैन मुनिराज ऐसे होते हैं जो अपने आप कुछ भी नहीं रखते।

साधु को जितना अभावों में दिखा सकते हो दिखाओ

उन्होंने कहा कि साधु को जितना अभावों में दिखा सकते हो दिखाओ जितना असुरक्षित दिखा सको दिखाओ ऐसे असुरक्षित समय में भी आनंद की अनुभूति हो रही है इतना दुख इतना दुख की शेरनी मांस मांस नोच नोच कर खा रही इसके बाद भी अंदर से ऐसा आनंद का झरना फूटा कि केवल ज्ञान प्रकट हो गया एक व्यक्ति सोलह साल वनारस से पड़ कर ज्योतिष विद्या में निपुण हो ग्रान्थो को लाद कर ले कर आ रहा था रास्ते में उसे पेर के निशान देखकर वह समझ गया कि ये कोई महा पुरूष के निशान हैं लेकिन वह उन निशाने के पीछे पहुंच कर देखता है कि वह तो एक शिला पर संत ध्यान अवस्था में विराजमान हैं सब पता कर वह आश्चर्य में डूबा जाता है ऐसा भी होता है

साधु की यही चर्या तो दुनिया को आकर्षित करती है

उन्होंने कहा कि साधु की यही चर्या तो दुनिया को आकर्षित करती है भोजन करके तो दुनिया चमकती है उपवास के दिन भी चहेरे की चमक और ज्यादा दिखें जहांअड़तालीस टेम्परेचर हो उस समय साधु उपवास करके मुस्कराते हुए आनंद मनाये वो है दिगम्बर साधु अभाव में, हर प्रतिकुल परिस्थिति में आनंद मनाता है अभाव को जीने का प्रयास करो भक्त नहीं दुश्मनो को भेजों जव तुम साधु की प्रशंसा करते हो तो साधु गर्दन नीचे करके बैठा रहता है और साधु कोई दुश्मन गाली दे तो तनकर बैठकर सुनकर शान्ति से बैठा रहता है।

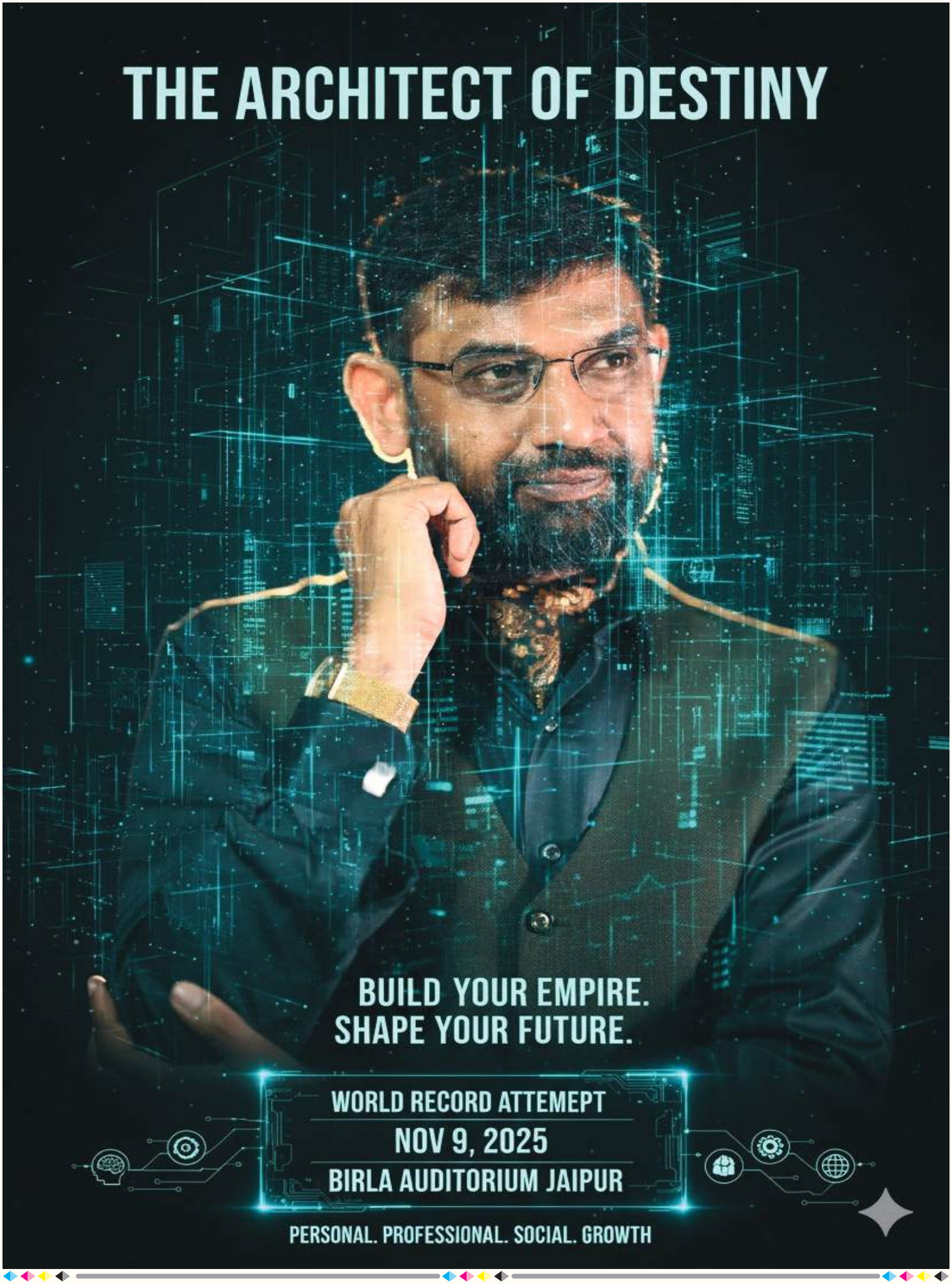
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

आमंत्रण
Since1975
अनुराग संगीत संस्थान
50 स्वर्ण जयंती महोत्सव 2025
33वीं अखिल भारतीय
दृष्टिबाधित संगीत प्रतियोगिता
10-11-12 अक्टूबर, 2025
प्रथम सत्र : उद्घाटन समारोह दिनांक : 10.10.2025 समय : सायं 4 बजे
मुख्य अतिथि
श्री विवेक काला
अध्यक्षता
श्री नंदकिशोर पहाड़िया-श्रीमती शांति देवी पहाड़िया
दीप प्रज्वलनकर्ता
श्री अनिल दीवान
विशिष्ट अतिथि
श्री राजेश गंगवाल
विशिष्ट अतिथि
श्री महेश साधु
द्वितीय सत्र : बाल वर्ग – एलीमिनेशन राउंड दिनांक : 10.10.2025 समय : रात्रि 8 बजे
मुख्य अतिथि
अध्यक्षता
श्री राजा शर्मा
विशिष्ट अतिथि
डॉ. तनु बत्रा
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती मधु - नम्रता पाटनी
विशिष्ट अतिथि
श्री भुवनेश शर्मा
तृतीय सत्र : युवा वर्ग – एलीमिनेशन राउंड दिनांक : 11.10.2025 समय : अपराह्न 2 बजे
मुख्य अतिथि
श्रीमती स्वयंप्रभा गदिया
अध्यक्षता
डॉ. पी.सी. जैन
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती जयश्री सिद्धा
विशिष्ट अतिथि
श्री एस.आर. मुनोत
चतुर्थ सत्र : सेमीफाईनल राउंड दिनांक : 12.10.2025 समय : प्रातः 9.30 बजे
मुख्य अतिथि
श्री अशोक चांदवाड़
अध्यक्षता
श्री कमल जी-सुधा जी सरावगी
विशिष्ट अतिथि
श्री धनु कुमार जैन
विशिष्ट अतिथि
श्री पीयूष चंदेर
विशिष्ट अतिथि
श्री सुनील जैन
पंचम सत्र : फाईनल राउंड एवं पारितोषिक वितरण समारोह दिनांक : 12.10.2025 समय : अपराह्न 3 बजे
मुख्य अतिथि
श्री गुलाब कोठारी
प्रमुख अतिथि
श्री सुधांशु कासलीवाल (एडवोकेट)
सम्मानीय अतिथि
डॉ. के.एल. जैन
अध्यक्षता
श्री अमित अग्रवाल
दीप प्रज्वलनकर्ता
श्री मोहित राणा
विशिष्ट अतिथि
श्री केशव सोदिका
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती राज काला
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती त्रिशला गोधा
विशिष्ट अतिथि
श्रीमती रेणु राणा
स्थान: 'अभिनंदन' श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन
पत्रकार कॉलोनी रोड, मानसरोवर, जयपुर
संरक्षक श्री सुधांशु कासलीवाल
संरक्षक श्री नंदकिशोर पहाड़िया
संरक्षक श्री विवेक काला
परामर्शक श्री महेश काला
अध्यक्ष ज्ञान चन्द झांझरी
उपाध्यक्ष शैलेन्द्र गोधा – रूपिन काला
महामंत्री डॉ. अजित कुमार जैन
मंत्री दिलीप जैन
संयुक्त मंत्री वैभव जैन
कोषाध्यक्ष गुंजन जैन
संगठन मंत्री विमल बज
सांस्कृतिक मंत्री कश्वी जैन
प्रचार मंत्री अवधेश पारीक
कार्यकारिणी सदस्यगण
मनोहर पोपली, रामप्रकाश मेहंदीरत्ता, शांति जैन, सतीश अजमेरा, प्रद्युम्न पाटनी, मोहित राणा, जिनेन्द्र जैन, राकेश गोदिका, इन्दिरा जैन, पूनाराम बिश्नोई
मुख्य संयोजक मनीष जैन
NBC BEARINGS
ARL
Poornima HANDICRAFTS
KG Gems
JECRC UNIVERSITY
Red Sketch Commercial Art Academy & Studio
Office : YA-125, near Chandra Paradise, SD Engineers Colony, Mohan Nagar, Mohru Nagar, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan 302020, Mob.: 093146 17840

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत राजस्थान (पंजीकृत)

(देव-शास्त्र-गुरु भक्त जनों की एकमात्र सेवाभावी पंजीकृत संस्था)

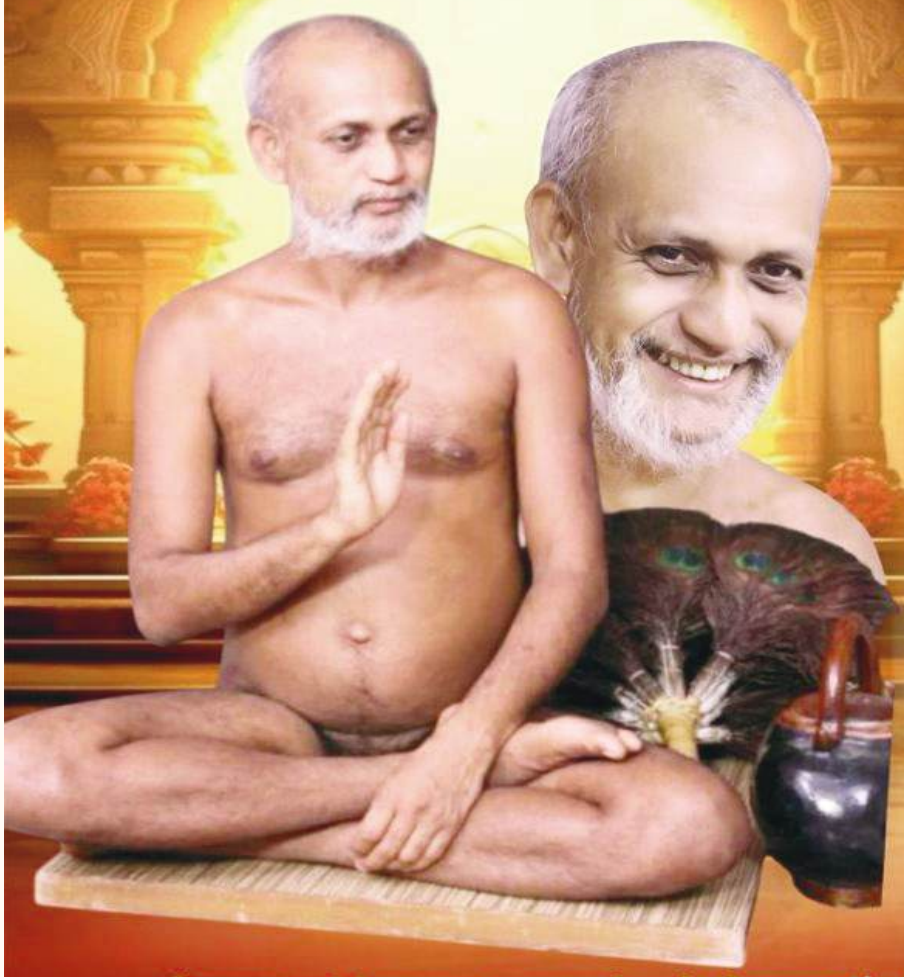

प.पू. अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, प्राकृत भाषा चक्रवर्ती
आचार्य श्री 108
वसुनन्दी जी मुनिराज
का
37 वां
दीक्षा दिवस
11 अक्टूबर 2025

जैनम जयतु शासनं, विश्व कल्याण कारकम् का घोष करने वाले वात्सल्य मूर्ति, अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, युवामनीषी, आध्यात्मिक संत, आदर्शोत्तम शिष्य, तपोनिधि, गुणसागर, वात्सल्य रत्नाकर, उपसर्ग विजेता, बालयोगी, वात्सल्य निधि, साधना के शिखर पुरुष, आध्यात्म सरोवर के राजहंस, लोहपुरुष, तीर्थोद्धारक, गुरुसेवक, जिनधर्म प्रभावक, ज्ञानध्यान तप में लीन, कुशल संघ चालक, सरलमना, प्राकृत भाषा चक्रवर्ती, निर्ग्रन्थ ग्रन्थ माला समिति एवं धर्म जाग्रति संस्थान के प्रणेता

प.पू. आचार्य श्री 108 वसुनन्दी जी महामुनिराज के

37 वें दीक्षा दिवस (11 अक्टूबर 2025) पर

शत्-शत् नमन, चरण वंदन

नमन कर्ता:- अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत-राजस्थान

संरक्षक : ❋ श्री शांति कुमार जी ममता जी सौगानी, जयपुर ❋ श्री वीरेन्द्रजी बाड़मेर वाले, अजमेर ❋ श्री रश्मीकांत जी सोनी, जयपुर ❋ श्री रमेशचन्द जी गर्ग, बोलखेड़ा ❋ श्री जयकुमार जी जैन कोटा वाले ❋ श्री शैलेन्द्र जी गोधा, समाचार जगत, जयपुर ❋ श्री राजेश जी गंगवाल, लालसोट वाले ❋ श्री प्रेमचन्दजी छाबड़ा, दौसा ❋ श्री ज्ञानचंदजी जैन भौंच, बस्सी वाले ❋ श्री ओमप्रकाश जी काला मामाजी, गंगापुर वाले ❋ श्री राजीव जैन गाजियाबाद वाले ❋ श्री विमल जी बाकलीवाल, झोटवाड़ा ❋ श्री राकेश कुमार जी माधोराजपुरा वाले ❋ श्री ऋषभ सेठी, रामगंज मंडी वाले ❋ श्री अशोक जी चांदवाड़, कीर्ति नगर

सम्पर्क सूत्र :

प्रांतीय अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	व. उपाध्यक्ष	व. उपाध्यक्ष	महामंत्री	संयुक्त महामंत्री	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष
पद्मचन्द जैन बिलाला	अनिल कुमार जैन	पवन जैन चौधरी	राजीव लाम्बना	सुनील कुमार पहाड़िया	संजय बड़जात्या	राजीव कुमार पाटनी	पंकज जैन लुहाड़िया	महेश काला
जनकपुरी	आईपीएस, बरवा वाले	अलवर	जय जवान कॉलोनी	धड़ी मार्केट	भरतपुर कामां	झोटवाड़ा	धड़ी मार्केट	चंदलाई
9314024888	9414337555	9414020800	9413229913	9314995657	9351636462	9314501479	9351302142	9829600631

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791

आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज का हुआ भव्य मिलन

सायंकाल आगम युक्त शंका समाधान का हुआ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर की चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में प्रवासरत आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज ससंघ का भव्य मिलन हुआ। इस मौके पर आसपास का वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इससे पूर्व उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज अघ अग्रवाल फार्म मानसरोवर से मंगल विहार करते हुए सांगानेर थाना सर्किल पहुचे जहां आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ से मिलन हुआ। वहां से जुलूस के रुप में दोनो संघों के संत, आर्यिका माताजी बैण्ड बाजों के साथ चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे। जहां मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा का आयोजन किया गया। धर्म सभा में पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा का वाचन करते हुए आचार्य सुन्दर सागर महाराज ने कहा कि भव्यात्माओं वह कपिल ब्राह्मण के साथ उसकी पत्नी भी व्रत धारण करती है वह कपिल ब्राह्मण धर्मात्मा बन जाता है उसकी पत्नी अग्निहोत्री दोनों रामपुरी जाते हैं जहां राम की सब सेवा आदर कर रहे थे वह कपिल ब्राह्मण सोचता है जिस राम को मैंने निकाल दिया था आज इस राम की नगरी में मैं खड़ा हूं राम के सामने नजर पड़ते ही कपिल ब्राह्मण पछतावा करता है राम उसको आदर देते हैं राम जी कहते हैं, हे विप्र मुझे बहुत खुशी है कि आज आप मेरे घर पर भोजन करोगे। इतने में लक्षण आ जाते है। लक्ष्मण को देखकर कपिल ब्राह्मण अपनी पत्नी का हाथ पकड़ लेते हैं लक्ष्मण कहता है कि उस दिन तो राम का अपमान कर रहे थे। लक्ष्मण से राम कहते हैं कि हम क्षत्रिय हैं उनको आदर के साथ लाओ। लक्ष्मण उनको आदर और सम्मान के साथ लाते हैं और शुद्ध भोजन करवाते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि पारसमणि तो लोहे को सोना बना देती है लेकिन जिस लोहे में जंग लगी हुई है तो वह सोना नहीं बन सकता। राम के रहते हुए दरिद्र बनकर रहना पड़े। हमारा साधर्मी भाई लकड़ी काटे। हे विप्र मुझे अच्छा नहीं लग रहा है। तेरे दरिद्र के कारण जिनशासन का अपमान हो यह मैं नहीं चाहता। मानता हूं तुम दरिद्री हो, मेरे पास संपत्ति है, मैं तुम्हें देना चाहता हूं। राम से कपिल ब्राह्मण कहते हैं कि मुझे मुनिराज मिल गए हैं अब मुझे कुछ नहीं चाहिए। रामजी मंत्री को बुलाकर विप्र को अशरफिया देते हैं। सारे नगर में बात पता चल गई कि वह कपिल ब्राह्मण राम के पास जाकर धनवान बन गए। जो भी राम के पास जाते थे, राम सबको भर भर कर अशर्फियां देते थे। एक दिन में मुनिराज मिल गए और मुनिराज के उपदेश से उस ब्राह्मण को वैराग्य हो गया और वह मुनि बन करके परमात्मा बन गए। उनकी पत्नी आर्यिका व्रत धारण कर महाव्रती बन गए। अब राम सोचते हैं कि अब मुझे अभी विहार करना चाहिए। यक्षेंद्र आपने बहुत मेरी सेवा की हमें क्षमा करना आपके प्रति हमारा अनुराग है। जिनवाणी स्तुति के बाद धर्म सभा का समापन हुआ। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि धर्म सभा के बाद उपाध्याय वृषभानन्द मुनिराज का वापस अग्रवाल फार्म मानसरोवर के लिए मंगल विहार हो गया। सायंकाल 6.15 बजे आगम युक्त शंका समाधान का भव्य कार्यक्रम हुआ। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी के मुताबिक शनिवार को प्रातः 8.15 बजे धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। सायंकाल 6.15 बजे आगम युक्त शंका समाधान का भव्य कार्यक्रम होगा।

विनोद जैन कोटखावदाः
मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार

तुरिय चिन्ह चर्चो वसुभेव...

जयकारों के बीच जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर भगवान संभव नाथ का ज्ञान कल्याणक मनाया

जैन मंदिरों में हुए विशेष धार्मिक आयोजन रविवार 19 अक्टूबर को जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया जावेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर भगवान संभव नाथ का ज्ञान कल्याणक दिवस शुक्रवार, 10 अक्टूबर को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः भगवान संभवनाथ के मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद विशेष पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान भगवान अनन्तनाथ का ज्ञान कल्याणक श्लोक "कार्तिक कलि तिथि चौथ महान, घाति घात लिय केवलज्ञान। समवशरनमहँ तिष्ठे देव, तुरिय चिह्न चर्चो वसुभेव।। " का उच्चारण करते हुए जयकारों के साथ ज्ञान कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ । जैन के मुताबिक राधा विहार स्थित श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मन्त्री संतोष बाकलीवाल के नेतृत्व में मूलनायक श्री 1008 संभव नाथ भगवान के अभिषेक व शांतिधारा की गयी ' इसके पश्चात बड़े भक्तिभाव पूजा की गई। पूजा के दौरान ज्ञान कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। जौहरी बाजार के घी वालों का रास्ता स्थित दाई की गली में संभवनाथ चैत्यालय में मूलनायक भगवान संभवनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया। जैन के मुताबिक शांतिनाथ जी की खोह स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में कमल - मंजू वैद के नेतृत्व में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, सांगानेर के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, मोती सिंह भोमियो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, जनकपुरी, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि रविवार 19 अक्टूबर को जैन धर्म के छठे तीर्थंकर भगवान पदमप्रभू का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया जावेगा। मंगलवार, 21 अक्टूबर को भगवान महावीर का 2552 वां निर्वाणोत्सव एवं मोक्ष कल्याणक दिवस, गुरुवार, 23 अक्टूबर को जैन धर्म के नवें तीर्थंकर भगवान पुष्प दंत नाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव तथा सोमवार, 27 अक्टूबर को जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जाएंगे।

विनोद जैन कोटखावदा

मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ का एक माह बाद कीर्तिनगर जैन मंदिर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

वासनाओं में लीन व्यक्ति हमेशा दुखी रहता है : मुनि आदित्य सागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

जो व्यक्ति वासनाओं में लीन रहता है, वह सदैव दुखी रहता है। जीवन में कुछ क्रियाएँ सुख देती हैं तो कुछ दुख। जब हम अपने जीवन को वासना, क्रोध, ईर्ष्या और शंका की ओर ले जाते हैं, तो अनजाने में दुखों को आमंत्रण देते हैं। यदि हम जीवन से ईर्ष्या, क्रोध, घृणा और शंका को दूर रखें तो जीवन में स्वतः आनंद का प्रवाह होता है। ये उदगार श्रुत संवेगी महाश्रमण मुनि आदित्य सागर ने कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये। धर्म सभा के शुरू में चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन के बाद सौभाग्यशाली श्रद्धालुओं द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट की गई। इससे पूर्व मुनि श्री ससंघ का एक माह तक नगर भ्रमण के पश्चात आज प्रातः 7:30 बजे कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रेम कुमार जैन एवं महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि मुनि श्री ने भट्टारक जी की नसियों से प्रातः 6:15 बजे मंगल विहार किया। टोंक रोड़ पर ग्लास फैक्ट्री के बाहर से बैण्ड बाजों एवं लवाजमें के साथ विशाल जुलूस के रुप में रवाना होकर कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मार्ग में जगह जगह श्रद्धालुओं ने मुनि श्री के चरण पाद प्रक्षालन किया। जुलूस में बडी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं जयकारे लगाते हुए शामिल हुए। कीर्ति नगर जैन मंदिर में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त मनोज झांझरी, दीक्षान्त हाडा सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनो ने मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रचार मंत्री आशीष बैद एवं प्रचार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मुनि आदित्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में कीर्तिनगर जैन मंदिर के आगामी 9 नवम्बर से 15 नवम्बर तक आयोजित होने वाले ऐतिहासिक पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियाँ प्रारंभ हो चुकी हैं। इसके अंतर्गत रविवार 12 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे पात्र चयन समारोह होगा। जिसमें पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के सौभाग्यशाली मुख्य पात्रों का चयन किया जाएगा। सोमवार, 13 अक्टूबर को मंदिर जी में नवीन वेदी शिलान्यास समारोह का आयोजन किया जाएगा।

विनोद जैन कोटखावदा
मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार

महिलाओं ने भक्ति भाव से की पूजा अर्चना

डांडिया में जैन भजनों पर थिरकी महिलाऐं

जयपुर. शाबाश इंडिया। जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति ने श्रुत संवेगी महाश्रमण आदित्य सागर गुरुदेव ससंघ के समक्ष जल, धूप, नैवेद्य सहित अर्घ्य अर्पित कर नृत्य करते हुए भक्तिभाव से पूजन की। इस मौके पर जिनेन्द्र जैन जीतू ने संगीतमयी गुरुदेव की पूजन द्वारा माहौल को भक्तिमय बनाया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि महिला समिति की अध्यक्ष डॉ शीला जैन एवं मंत्री पुष्पा सोगानी के नेतृत्व में महिलाए गुरूभक्ति में झूम उठी। इसके पश्चात मुनिश्री के प्रवचन हुए। फिर इसके बाद गुरुदेव के आशीर्वाद लेकर जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति में जैन डांडिया उत्सव का आयोजन किया। इसमें सभी महिलाओं ने राजस्थानी ड्रेस व डांडिया ड्रेस में डांडिया नृत्य किया। महिला समिति की प्रचार मंत्री रीमा गोधा ने बताया कि इस मौके पर महिला समिति की अध्यक्ष डॉ शीला जैन व मंत्री पुष्पा सोगानी ने नृत्य व ड्रेस में प्रथम, द्वितीय तृतीय विजेता रही महिला सदस्यों को पुरस्कार भी दिए।

स्वास्थ्य चर्चा शिविर में 200 लोग हुए लाभान्वित

लायंस क्लब समय समय पर करती है पुनीत सेवा कार्य-लायन जोन : हुकमचंद जैन

निवाई. शाबाश इंडिया

उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित मूक-बधिर विधालय में सी के बिरला हास्पिटल जयपुर एवं लायंस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य चर्चा पर शिविर आयोजित किया गया जिसमें जयपुर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर शुभनव जैन ने लोगों को बताया कि हम केसे अपनी आंखों का बचाव कर सकते हैं एवं बच्चों को आजकल मोबाइल फोन से होने वाली आंखों की समस्या कितनी खतरनाक हो सकती है इससे कैसे बचा जाये और आंखों की समस्याओं को नजर अंदाज नहीं करने सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की। शिविर में 200 पुरुष एवं महिलाएं लाभान्वित हुई। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी विमल जौंला ने बताया कि स्वास्थ्य चर्चा शिविर में फीजीयोथेरेफिस्ट डाक्टर आशीष जैन ने दिनचर्या को संतुलित करके रोगों से बचने के उपाय बताए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में रोबोट तकनीक से इलाज करवाना आसान और सरल हो गया है। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन मनीष शर्मा ने किया। शिविर में लायंस क्लब के सदस्यों ने चिकित्सकों का स्वागत किया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों द्वारा भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भक्तामर पाठ के एक श्लोक का उच्चारण किया। इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाकर भारत माता के जयकारे लगाए। इस दौरान लोगों ने चिकित्सकों से स्वास्थ्य पर सवाल जवाब किए जिनका चिकित्सकों ने जवाब दिया। इस अवसर पर लायंस क्लब अध्यक्ष अशोक सोगानी जोन चैयरमेन हुकमचंद जैन दिनेश चंवरिया सीताराम स्वामी महेन्द्र जैन महावीर प्रसाद पराणा विमल सोगानी मनोज पाटनी संजय सोगानी, विमल पाटनी, पारस बड़ागांव, महेन्द्र पराणा, कमल सोगानी एवं महिला मण्डल की रेखा गोधा शशी सोगानी सुमन जैन सीमा जैन मंजू जैन अनिता जैन मीनाक्षी भाणजा उषा जैन मुन्नी देवी जैन, सरिता जैन नीलम जैन सुनीता जैन, नेहा पराना, सिंपल जैन, राधा जैन, आशा गिन्दोडी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा बड्र्स हॉस्पिटल में पक्षियों की सेवा

जयपुर

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत एनिमल व बर्ड केअर के तहत बड्र्स हॉस्पिटल मालवीय नगर में रीजन 13 की रीजन चेयरपर्सन ला. डॉ. रेखा जैन द्वारा आयोजित सेमिनार व सेवा कार्य मे सहभागिता निभाई। लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा ये पहला मौका था जब सेवा सप्ताह में एनिमल केअर (गो सेवा) के अलावा मूक पक्षियों की बीमारी, घायल अवस्था व उपचार की जानकारी साझा की गई। आज के इस विशेष कार्यक्रम में लायंस क्लब के प्रांत 3233 -E 1 के PDG ल. सुमेर चंद जैन व ल. अंजना जैन के साथ साथ VDG 1 व 2 एवं सेवा सप्ताह के चेयरमैन व सचिव व अन्य कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही।संस्था के एक सज्जन द्वारा जब चिरैया का एक पत्र आपके नाम को चिरैया की भाषा मे उसकी वेदना का वर्णन सुना तो सदन में उपस्थित सभी का मन द्रवित हो उठा, एवं कई सदस्यों ने तत्काल ही उस संस्था की आजीवन सदस्यता ग्रहण कर ली। कार्यक्रम में उपस्थित VDG 1 ला. आशुतोष जी वशिष्ठ जी ने न केवल इसकी आजीवन सदस्यता ली, अपितु हर वर्ष सेवा सप्ताह में एनिमल के साथ बर्ड सेवा का एक दिन नियत करने का संकल्प लिया। लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल की सदस्याओं द्वारा भी3600/- की सहयोग राशि संस्था को अनुदान देकर, सेवा में सहभागिता निभाई।

जिज्ञासा जीवन की प्रगति का मार्ग, शंका पतन का आरंभः युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

पनवेल. शाबाश इंडिया

अपने भीतर की जिज्ञासा को जगाइए वही आत्मिक नवाचार है, शंका नहीं, जिज्ञासा ही मुक्ति का मार्ग है। यह विचार कापड़ बाजार जैन स्थानक में चातुमार्सार्थ विराजित श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र की सातवीं, आठवीं और नौवीं गाथाओं के पाठ विवेचना करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा हमें आगे बढ़ाती है, जबकि शंका हमें रोक देती है। जिज्ञासा और शंका दोनों मन की उपज हैं, परंतु दोनों की दिशा भिन्न होती है। जिज्ञासा का समाधान होता है, जबकि शंका का नहीं। जिज्ञासु व्यक्ति खोज करता है, जबकि शंकालु व्यक्ति उलझता है। इसलिए आगमों में कहा गया है - संशय आत्मा विनाशिनी। जो व्यक्ति संदेह में जीता है, वह अपने लक्ष्य तक पहुँचने से पहले ही भटक जाता है। युवाचार्यश्री ने कहा जिज्ञासु व्यक्ति नई राहें खोजता है, और यही आज की भाषा में इनोवेशन है। नई चीजें आसमान से नहीं उतरतीं, वे जिज्ञासा से जन्म लेती हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में खोज की गति इसलिए धीमी रही क्योंकि समाज या तो शंका में फँसा रहा या अंधश्रद्धा में। यदि भीतर जिज्ञासा जागे तो नवाचार स्वतः प्रकट होता है। युवाचार्य प्रवर ने बताया कि बच्चों के पास प्रश्न होते हैं, इसलिए वे सीखते हैं, जबकि बड़ों के पास पूर्वाग्रह होते हैं, इसलिए वे रुक जाते हैं। बच्चा वस्तुओं को खोलकर जानना चाहता है, पर जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हमारे भीतर यह भाव आता है,यह गलत है, यह नहीं हो सकता। यही हमारे मन की जड़ता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र की गहराई स्वयं आचार्यों की जिज्ञासा का परिणाम है। भगवान महावीर ने भाव कहा, उसे हमारे गणधरो ने शब्दों में गूँथा ,जैसे कारीगर सूत को बुनकर वस्त्र बनाता है। वही सूत्र आज तक हमें दिशा दे रहे हैं। सातवें अध्ययन के उदाहरण में युवाचार्यश्री ने एक कथा सुनाई एक संपन्न घर में पला मेंढा स्वादिष्ट भोजन खाकर मोटा हुआ, जबकि बगल की गाय और उसका बछड़ा सूखी घास पर संतोष करते रहे। जब घर में अतिथि आया, तो उसी मेंढे की बलि दी गई। बछड़े ने कहा घी देखा पर बड़गा नहीं देखा।अर्थात जिसने केवल भोग देखा, उसने अंत का दुख नहीं सोचा। उन्होंने कहा भोगों में लिप्त व्यक्ति अपनी दुर्गति को नहीं समझ पाता। सुख की अंधी दौड़ अंततः अधर्म और पतन में ले जाती है। आठवें अध्ययन में कपिल ब्राह्मण की कथा का उल्लेख करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कपिल को घर की आवश्यकता के लिए दो मासा सोना चाहिए था, पर लोभ बढ़ते-बढ़ते उसे सब चाहिए लगने लगा। राजा ने कहा माँगो जो चाहो। कपिल सोचता रहा -दो मासे से क्या होगा, दो तोले माँगूँ या दो करोड़? अंत में उसे बोध हुआ जिसे चाह ही नहीं, उसे माँगने की आवश्यकता नहीं। उन्होंने कहा जब तक मन में चाह है, मिथ्यात्व जीवित है। समत्व की स्थिति तभी आती है जब मुझे कुछ नहीं चाहिए का भाव भीतर से निकले। नवम अध्ययन का भावार्थ करतें हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि राजर्षि नमी ने वैभव और विलास त्यागकर आत्मबोध को अपनाया। मैं अकेला आया हूँ, अकेला जाऊँगा,इस भाव से उन्होंने राजपाट छोड़ दिया। देवेंद्र ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, पर नमी ने कहा भीड़ सत्य का प्रमाण नहीं, विवेक ही सच्चा मार्गदर्शक है। अंत में युवाचार्यश्री ने श्रद्धालुओं से कहा भगवान महावीर की अंतिम देशना हमें यही सिखाती है शंका नहीं, जिज्ञासा ही मुक्ति का मार्ग है। अपने भीतर की जिज्ञासा को जगाइए।यही आत्मिक नवाचार है। इस अवसर पर नीता कपिल बांठिया ने 108 एकासन व्रत तप साधना पूर्ण कर युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी से प्रत्याख्यान लिए। उनकी इस तप आराधना का आनंद धार्मिक महिला मंडल एवं प्रेरणा महिला मंडल की बहनों ने बहुमान किया। चातुर्मास समिति के मंत्री अशोक बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर पुणे, जलगांव, बैंगलुरु, चेन्नई, अहमदनगर, सूरतऔर राजस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मसभा मे उपस्थित रहे। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

गो सेवा और हरियाली का संगमः जन्मदिन को सादगी से मनाते हुए गो सेवा और पौधारोपण का संकल्प

अजमेर. शाबाश इंडिया

जीवदया की भावना के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा क्लब के पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन शशिकांत वर्मा एवं लायन सुनीता वर्मा के सहयोग से लोहागल रोड स्थित पुष्कर गो आदि पशु शाला में 400 अशक्त गऊ माताओं को हरा चारा अर्पित किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने बताया कि कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी के संयोजन में एक ट्रॉली हरा चारा (रिचका) अर्पण कर गो सेवा का पुण्य कार्य संपन्न हुआ। संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायन शशिकांत वर्मा ने अपने जन्मदिन को सादगी से मनाते हुए अशक्त गोवंश की सेवा और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपस्थित लायन सदस्यगणों ने गौशाला परिसर में पौधारोपण भी किया और यह संकल्प लिया कि हर शुभ अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएंगे। इस कार्यक्रम में लायन अतुल पाटनी, पूर्व संभागीय अध्यक्ष लायन शशिकांत वर्मा, लायन सुनीता वर्मा, लायन मधु पाटनी, श्रीमती सरोज अग्रवाल एवं गौशाला के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इससे पूर्व वर्मा दंपति एवं क्लब सदस्यों के गौशाला पहुंचने पर सभी का स्नेहपूर्वक स्वागत किया।

जाटीभांडू में खेल भावना और उत्साह का अनोखा संगम

बालेसर. शाबाश इंडिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के ''मेरा युवा भारत'' अभियान के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जाटीभांडू में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। बालिका वर्ग में सत्य भारती स्कूल जाटीभांडू की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया और विजेता बनीं। वहीं, रस्साकस्सी प्रतियोगिता में भी विद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। खेल मैदान में उत्साह का माहौल तब और भी बढ़ गया जब 100 मीटर दौड़ में सत्य भारती स्कूल की छात्रा अनीता ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से प्रथम स्थान प्राप्त किया और राधिका ने द्वितीय स्थान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के दौरान भारती एयरटेल फाउंडेशन के जिला कोऑर्डिनेटर सुभाष यादव, शंकरलाल, मंचराम, देवराम वैध, रघुराम साप, प्रदीप कुमार, विजय सिंह एवं ओमप्रकाश पारीक उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के उत्साह और खेल भावना की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस आयोजन ने न केवल विद्यार्थियों में खेल के प्रति रुचि बढ़ाई, बल्कि टीम भावना, अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुणों को भी सशक्त किया।